

मैं (बी. आर. शर्मा) द्वारा पत्र अग्रत शर्मा जिलका जम.

लगातिय- 14-2-2000 का हुआ घर नं० 1867/6 वमत बिहार कालका  
 जिला पंचकल से हुआ शिरा बन बन्वा जम से नही चल नही पालना  
 होर नही पाता प्ना मैने दिहूशान के सजी मरुप अरुपालो म  
 मिश्रण दिहली समत चण्डीगट का जीजा ई वामन का बीज कोरी  
 हरिद्वार का पंजवली पोसपीठ उपपट्टर का नर नारायण सेवा करे  
 इत्यादि विभिन्न करीब सां डामरुये को दिखाया तमाम परिदर  
 मुरुदोरो से मा प्रणा टेका कही आयाग नही मिल  
 मुझे चर्मीकी के एक बने अषि क्काट के द्वारा डॉ० जैत साहब के  
 जोर परा भला मैं पदा आपा और पूरी जातकषि लोक्षण उनमूबर  
 2014 में करीब 7 8 घण्टे सर्तरी जैत साहब ने कि उलेक व्या  
 इतलर मरिच कुई कररि गई। इलारा मई 2015 में उपघण्टेक  
 सर्तरी कि गई उलेक किर्कारि पालीकोरिपक द्वारा एमर  
 साहब कि गई जिलका रिपलर से ही जैत बन्वा रनर नही हो  
 सकला प्ना इतान वो बन्वा उपपत पेशे अण्डा होकर बिटक के  
 सटोरे चल रहा हो और अविद्य में पूर्ण विश्वास क  
 आप कहला है प उपपत आप विना किसी अटोर के जलगा  
 में पदा 14 प्रतिन सी० पी० दोग के रहा है मुझे यही किसी की  
 तरद कि परेशानी नही हुई होते यदा 14 प्रतिन उपपत  
 परिवार कि तरद बिदार यदा के लकी पुरोपितकल का जनदार  
 परिवार कि तरद हो डॉ० जैत साहब के कोर से रहना  
 कदना चाहुंगा डॉ० जैत वालन में सी० पी० पेशेक के लिए  
 किसी लख लेकन नही हो मैं सजी अकि अकावक से  
 अइरोध करना चाहुंगा कि बंद उपपत बन्वा पर और  
 डॉ० जैत साहब आरोना रहे इतका बन्वा 101% बिक  
 होना

B.R. Sharma

B.R. Sharma  
 H.No-1867/6 Khatwa Bihar  
 Khatwa Bihar